मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक

नाम ...

101/1 301(SA)

2016

हिन्दी

प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) आधुनिक गद्य का जनक कहा जाता है

i) महावीर प्रसाद द्विवेदी को

ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को ✓

iii) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन' को

iv) रायकृष्ण दास को । 1

https://www.upboardonline.com
[Turn over

ख) रेखाचित्र पर आधारित रचना है

i) मुद्राराक्षस

ii) साहित्यालोचन ✓

iii) अतीत के चलचित्र

iv) अन्तरिक्ष की यात्रा । 1

ग) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है

i) साहित्य सन्देश

ii) हंस

iii) ब्राह्मण

iv) सरस्वती ।✓ 1

घ) 'बेइमान की परत' के रचनाकार हैं

i) कन्हैया लाल प्रभाकर

ii) हरिशंकर परसाई

iii) मोहन राकेश

iv) रामवृक्ष बेनीपुरी । 1

ङ) 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' के लेखक हैं

i) राहुल सांकृत्यायन

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) डॉ० रामविलास शर्मा

iv) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी । 1

2\. क) 'चिदम्बरा' पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है

i) मैथिलीशरण गुप्त को

ii) सुमित्रानन्दन पन्त को

iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय को

iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' को । 1

ख) छायावादोत्तर काल का समय माना जाता है

i) सन् 1938 से सन् 1953 तक

ii) सन् 1953 से अद्यतन

iii) सन् 1918 से सन् 1953 तक

iv) सन् 1925 से सन् 1953 तक । 1

ग) रीतिकाल की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 1

घ) ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि का नाम लिखिए । 1

ङ) 'साकेत' कृति के रचनाकार हैं

i) मैथिलीशरण गुप्त

ii) महादेवी वर्मा

iii) 'अज्ञेय'

iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' । 1

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 6 = 7

i) सूर्यदेव की उदारता और न्यायशीलता तारीफ के लायक है । तरफदारी तो उसे छू-तक नहीं गयी—पक्षपात की तो गंध तक उसमें नहीं, देखिए न, उदय तो उसका उदयाचल पर हुआ, पर क्षण ही भर में उसने अपने नये किरण-कलाप को उसी पर्वत के शिखर पर ही नहीं, प्रत्युत सभी पर्वतों के शिखर के शिखरों पर फैलाकर उन सबकी शोभा बढ़ा दी । उसकी इस उदारता के कारण इस समय ऐसा मालूम हो रहा है, जैसे सभी भूधरों ने अपने शिखरों-अपने मस्तकों - पर दुपहरिया के लाल-लाल फूलों के मुकुट धारण कर लिए हों । सच है उदारशील सज्जन अपने चारुचरितों से अपने ही उदय-देश को नहीं, अन्य देशों को भी आप्यायित करते हैं ।

ii) प्रेम की भाषा शब्द रहित है । नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्द रहित है । जीवन का तत्व भी शब्द से परे है । सच्चा आचरण-प्रभाव, शील, अचल-स्थित संयुक्त आचरण – न तो साहित्य के लंबे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता है, न वेद की श्रुतियों के मीठे उपदेश से, न अंजील से, न कुरान से, न धर्मचर्चा से, न केवल सत्संग से । जीवन के अरण्य में धँसे हुए पुरुष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न से सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 3

i) हमारे हिन्दुस्तानी लोग तो रेल की गाड़ी हैं ।

ii) धर्म में धारण करने की शक्ति है ।

iii) जीवन के विटप का पुष्प संस्कृति है ।

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 6 = 7

i) मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै ।।
जैसें उड़ि जहाज कौ पच्छी, फिरि जहाज पर आवै।
कमल-नैन कौ छाँड़ि महातम, और देव को ध्यावै।
परम गंग कौं छाँड़ि पियासौ, दुरमित कूप खनावै।
जिहिं मधुकर अम्बुज-रस चाख्यौ, क्यौं करील फल खावै ।
सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै ।

ii) 'कौन तुम ! संसृति - जलनिधि तीर
तरंगों से फेंकी मणि एक;
कर रहे निर्जन का चुपचाप
प्रभा की धारा से अभिषेक ?
मधुर विश्रान्त और एकान्त
जगत का सुलझा हुआ रहस्य;
एक करुणामय सुन्दर मौन
और चंचल मन का आलस्य' !

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) मिलन के पल केवल दो चार,
विरह के कल्प अपार ।

ii) अब तौ दादुर बोलिहैं हमैं पूछिहैं कौन ?

iii) एक मनमोहन तौ बसिकै उजार्‌यौ मोहि,
हिय मैं अनेक मनमोहन बसावौ ना ।

5. निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी कृतियों पर प्रकाश डालिए : 4

i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ii) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) रामवृक्ष बेनीपुरी

iv) हरिशंकर परसाई ।

6. निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए : 4

i) तुलसीदास

ii) जयशंकर प्रसाद

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iv) 'भूषण' ।

7. क) 'बलिदान' **अथवा** 'ध्रुवयात्रा' कहानी का कथानक संक्षेप में लिखिए । 4

अथवा

'खून का रिश्ता' **अथवा** 'कर्मनाशा की हार' के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

i) 'कुहासा और किरण' नाटक के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक की प्रमुख घटना का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

ii) 'आन का मान' नाटक के उस पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए जिसने आप को प्रभावित किया हो ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर प्रमुख स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के तृतीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iv) 'सूतपुत्र' नाटक की विशेषताओं का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

v) 'राजमुकुट' नाटक के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

8. निम्नलिखित खण्डकाव्यों में से स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का नायक कौन है ? उसकी चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

ख) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ग) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए ।

घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की विशेषताओं को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

ङ) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

च) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का वर्णन कीजिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

301(SA) - 2,50,000